सीरी, पिलानी में हिंदी काव्य गोष्ठी का आयोजन

सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, पिलानी में 23 मई 2017 को द्वितीय हिंदी काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। काव्य गोष्ठी में संस्थान के नियमित सहकर्मियों के साथ-साथ परियोजना कर्मियों, पीएचडी छात्रों व छात्र-प्रशिक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गोष्ठी में संस्थान के निदेशक प्रो.शांतनु चौधुरी, डॉ जमील अख्तर मुख्य वैज्ञानिक, श्री पी वी एल रेड्डी, मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख ज्ञान संसाधन केंद्र के अतिरिक्त राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अन्य सदस्य व सहकर्मी उपस्थित थे। आयोजन का उद्देश्य सहकर्मियों व अन्य साथियों की कविता लेखन क्षमता को अन्य साथियों के समक्ष प्रस्तुत करना तथा संस्थान में वैज्ञानिक व तकनीकी अनुसंधान के एकरस माहौल को काव्य पाठ से मनोरंजक बनाना था। इस गोष्ठी का आयोजन संस्थान के सहकर्मी एवं उत्कृष्ट कवि श्री सुधीर चंद्र सिंह के सम्मान में किया गया था।

कविता पाठ करते हुए श्री सुधीर चंद्र सिंह व श्री प्रभुदयाल अजल

कवियों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं से समाँ बाँध दिया। ***श्री सुधीर चंद्र सिंह,*** निजी सचिव ने गोष्ठी में दो कविताएँ प्रस्तुत कीं। उन्होंने 'ये देश भला पिछड़ा क्यों है' नामक कविता से देश में व्याप्त समस्याओं पर प्रहार किया तथा अपनी "श्रद्धांजलि" शीर्षक कविता से संस्थान के सहकर्मी के पुत्र के असामयिक निधन पर उसे अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। अपनी मार्मिक कविता से उन्होंने सभी श्रोताओं को भावुक कर दिया। वहीं दूसरी ओर संस्थान के अधीक्षण अभियंता ***श्री प्रभुदयाल अजल*** ने भी अपने तीखे व्यंग्य बाणों से अपने संस्थान के साथ-साथ सरकारी महकमों की कार्यप्रणाली और कर्मचारियों के व्यवहार का सजीव चित्र उकेरा और श्रोताओं को ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया।

कविता पाठ का आनंद लेते हुए उपस्थित श्रोतागण

श्री ओमप्रकाश आर्य, वरिष्ठ तकनीशियन (2) ने अपनी विशिष्ट गायन शैली में "शहरों में बढ़ता प्रदूषण" शीर्षक से कविता द्वारा शहरों व अन्य स्थानों पर बढ़ती प्रदूषण की गंभीर समस्या पर श्रोताओं का ध्यान आकर्षित किया। संस्थान की परियोजना सहायक ***सुश्री खुशबू*** ने भी "लाल बत्ती" नामक कविता द्वारा हमारे समाज में व्याप्त वीआईपी संस्कृति पर करारा प्रहार किया।

सुश्री प्रियंका जोशी

श्री अविनाश

सुश्री महक विजय

सुश्री पूजा कंसल

काव्य गोष्ठी के दौरान सभागार में उपस्थित श्रोतागण

इसके अलावा पीएचडी छात्रा ***सुश्री प्रियंका जोशी*** ने अपनी सुंदर रचना "अकेली" से श्रोताओं का मन मोह लिया। ***श्री अविनाश,*** परियोजना सहायक ने दो कविताएँ "दीपक" और "माँ" प्रस्तुत कीं। छात्र-प्रशिक्षार्थियों में ***सुश्री महक विजय*** व ***सुश्री पूजा कंसल*** ने भी अपनी रचनाओं से श्रोताओं की सराहना प्राप्त की। संस्थान के निदेशक ***प्रो. शांतनु चौधुरी*** ने भी अपने छात्र जीवन के समय वर्षा ऋतु के आगमन पर लिखी अपनी लघु बांग्ला कविता सुनाई और श्रोताओं को उसका अर्थ समझाया। ***डॉ जमील अख्तर,*** मुख्य वैज्ञानिक ने भी इस अवसर पर "ये सोचने की बात है" शीर्षक से अपनी लघु कविता प्रस्तुत कर श्रोताओं की तालियाँ बटोरी।

कवि-सहकर्मियों द्वारा कविता पाठ के उपरांत प्रो. शांतनु चौधुरी, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने उन्हें ***स्मृति चिह्न भेंट*** कर सम्मानित किया।

काव्य पाठ करने वाले सहकर्मियों व प्रशिक्षणार्थियो को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए सीएसआईआर-सीरी के निदेशक प्रो. शांतनु चौधुरी

इस अवसर पर प्रो. चौधुरी ने श्री सुधीर चंद्र सिह को विशिष्ट सम्मान के रूप में उनके संस्थान के क्रियाकलापों से जुड़े चित्रों का "कोलाज" भी भेंट किया।

श्री सुधीर चंद्र सिह को सम्मान स्वरूप चित्र भेंट करते हुए
प्रो. शांतनु चौधुरी, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

सभागार में उपस्थित सहकर्मियों को संबोधित करते हुए
प्रो. शांतनु चौधुरी, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

अपने संक्षिप्त संबोधन में निदेशक महोदय ने सभी कवियों व उनकी रचनाओं की प्रशंसा की। उन्होंने सभी उभरते हुए युवा कवियों-कवयित्रियों को अपने रचनात्मक कौशल को और निखारने के लिए कहा तथा और उन्हें अपनी शुभकामना दी। उन्होंने इस आयोजन के लिए राजभाषा प्रकोष्ठ की सराहना की।

काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन करते हुए
श्री रमेश बौरा, हिंदी अधिकारी, सीएसआईआर-सीरी

सहकर्मियों के काव्य पाठ से पूर्व आयोजन के संयोजक व हिंदी अधिकारी श्री रमेश बौरा ने आयोजन की पृष्ठ भूमि तथा ऐसे आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डाला। काव्य गोष्ठी का संचालन करते हुए गोष्ठी के संयोजक ***श्री रमेश बौरा,*** हिंदी अधिकारी ने बताया कि यह काव्य गोष्ठी अगले माह सेवानिवृत्त हो रहे संस्थान के वरिष्ठ सहकर्मी श्री सुधीर चंद्र सिह, निजी सचिव के सम्मान में आयोजित की गई थी। उपस्थित श्रोताओं को जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि श्री सुधीर चंद्र सिह विगत अनेक वर्षों से संस्थान की राजभाषा गतिविधियों में सक्रिय सहयोग देते रहे हैं और उन्होंने संस्थान में आयोजित कविता पाठ प्रतियोगिताओं में अनेक वर्षों तक लगातार प्रथम पुरस्कार प्राप्त किए। बाद में वे इस प्रतियोगिता हेतु निर्णायक मंडल में शामिल कर लिए गए।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ जमील अख्तर, मुख्य वैज्ञानिक

अंत में ***डॉ जमील अख्तर,*** मुख्य वैज्ञानिक एवं सदस्य राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर निदेशक महोदय व राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों की उपस्थिति से जहाँ कार्यक्रम की गरिमा बढ़ी है वहीं इससे आयोजकों का मनोबल भी बढ़ता है। उन्होंने इस कार्यक्रम में सहयोग करने वाले सभी साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।